Name- Anita Rani

Name of supervisior- Dr Naved Jamal

Department- Political science

Tittle- पंचायती राज में महिलाओं का सशक्तिकरण हरियाणा के फरीदाबाद और गुड़गांव ज़िलों के संदर्भ में

संकेत शब्द– महिला सशक्तिकरण, पंचायती राज व्यवस्था, महिला सशक्तिकरण सम्बंधित सरकारी योजनाएं, सामाजिक व राजनैतिक स्थिति, तुलनात्मक अध्ययन

आज समाज तेज़ी से विकास कर रहा है, तथा ऐसा कोई भी क्षेत्र नहीं, जहां विकास कार्य सम्पन्न नहीं हो रहे हो। आज मनुष्य शिक्षा के क्षेत्र में दिन दुगनी रात चौगनी उन्नति कर रहे है तथा सरकार लोक कल्याण के लिए अनेक कार्य कर रही है जिसके उपरांत भारत देश उन्नति के शिखर को छू रहा है तथा राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर विकास कार्य भी संपन्न हो रहे है। देश में इस उन्नति, विकास, शिक्षा आदि के मध्य आज भी आधी आबादी कही जाने वाली महिलाएं बहुत पिछड़ गई है। वह महिलाएं दयनीय अवस्था में शोषित हो रही है तथा महिला सशक्तिकरण से कोसों दूर खड़ी है। यह स्थिति अधिकतर ग्रामीण व दलित महिलाओं में भयावह रूप धारण कर रही है तथा यह समाज का एक गंभीर मुद्दा है। वर्तमान में 73वें सवैंधानिक संशोधन के बाद आज महिलाओं को राजनीतिक क्षेत्र में सशक्त बनाना साथ ही उनमें आत्मविश्वास की कमी को पूरा करना आवश्यक है, ताकि महिलाएं सभी क्षेत्रों में प्रबल हो सकें तथा वह स्वयं के अस्तित्व को बनाए रख सकें। सरकार ने स्वतंत्रता पश्चात महिला सशक्तिकरण हेतु अनेक प्रयास व योजनाएं लागू की हैं, जिनके द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं का सशक्तिकरण हो सके तथा जिसके उपलक्ष्य में सरकार का पंचायती राज व्यवस्था में महिलाओं को आरक्षण देना एक प्रशंसनीय तथा सराहनीय प्रयास है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 40 में गांव की पंचायती राज व्यवस्था के विषय में बताया गया है। इसकी व्युत्पत्ति संस्कृत भाषा के शब्द 'पंचायतन' से हुई है, जिसका अर्थ है पांच व्यक्तियों का समूह जिसमें जनता द्वारा चुने गए गांव के पांच योग्य व्यक्ति एक पंचायत के माध्यम से गांव में स्थानीय स्वशासन का संचालन करते हैं, जो केवल लोक कल्याण के पक्षधर होते हैं।

प्रस्तुत शोध पद्धति में प्राथमिक तथा द्वितीयक दोनों प्रकार के स्त्रोतों की सहायता ली गई है। तथा शोध के अंर्तगत तुलनात्मक प्रविधि का प्रयोग किया गया है प्रस्तुत शोध को सरलता तथा सुगमता से

समझने हेतु बनाने की दृष्टि से इसे चार अध्यायों में विभाजित किया गया है जिसके अंर्तगत फरीदाबाद और गुड़गांव ज़िलों कीं पंचायती राज संस्थाओं में महिलाओं के सशक्तिकरण का तुलनात्मक अध्ययन किया गया है तथा उनकी प्रवृत्तियों एवं स्वरूप पर भी प्रकाश डाला गया है। प्रथम अध्याय को 'शोध पद्धति' का नाम दिया गया है तथा आगामी अध्याय में भारत में पंचायती राज व्यवस्था तथा महिला सशक्तिकरण कें ऐतिहासिक पक्ष पर प्रकाश डाला गया है।

द्वितीय अध्याय को 'भारत की पंचायती राज व्यवस्था में महिला सशक्तिकरण की ऐतिहासिक पार्श्वभूमि' का नाम दिया गया है जिसके अंर्तगत भारत में पंचायती राज व्यवस्था के ऐतिहासिक परिचय, संरचना तथा ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में पंचायती राज व्यवस्था के संवैधानिक प्रावधानों की चर्चा की गयी है तथा अंत में भारत में महिला सशक्तिकरण–एक झलक की निष्कर्ष सहित व्याख्या भी की गयी है। तृतीय अध्याय में हरियाणा में महिला सशक्तिकरण की स्थिति को समझने के लिए रचा गया है। जिसके अंर्तगत भारत तथा हरियाणा में महिलाओं की स्थिति, सशक्तिकरण के आयाम, अशक्तता के कारणों तथा राजनीति में उनकी भागीदारी, आरक्षण तथा उनके समक्ष आने वाली चुनौतियों पर प्रकाश डाला गया है। तत्पश्चात क्रमवार तरीके से आगे बढ़ते हुए हरियाणा की झलक के और हरियाणा में पंचायती राज व्यवस्था तथा महिला सशक्तिकरण सम्बंधित प्रयासों और फरीदाबाद एवं गुड़गावं की सशक्त महिलाओं व उनकी सामाजिक, आर्थिक स्थिति पर चर्चा की गयी है।

अगामी अध्याय में हरियाणा कें फरीदाबाद और गुड़गावं ज़िलों की पंचायती राज संस्थाओं में महिला सशक्तिकरण का तुलनात्मक अध्ययन प्रस्तुत किया गया है। शोध में फरीदाबाद और गुड़गांव ज़िलों में चयनित पंचायती राज के तीनों स्तरों पर पदासीन महिला सदस्यों का महिला सशक्तिकरण संबंधी तुलनात्मक अध्ययन, साथ ही चयनित अध्ययन क्षेत्रों की आम महिलाओं की पंचायत में पदासीन महिला सदस्यों के प्रति राय तथा महिला सशक्तिकरण संबंधित योजनाओं के प्रति जागरूकता पर भी चर्चा की गई है शोध में कुल 290 उत्तरदाताओं, जिनमें 145 फरीदाबाद तथा 145 गुड़गांव ज़िलें के उत्तरदाताओं से प्राप्त सर्वेक्षण के आधार पर निर्धारित प्रश्नों द्वारा पंचायती राज संस्थाओं में महिला सशक्तिकरण के संदर्भ में तुलनात्मक ग्राफ भी प्रस्तुत किए गए है, साथ ही चयनित उत्तरदाताओं की स्वाभाविक पृष्ठभूमि पर भी चर्चा की गई है।

अंत में शोध के अंर्तगत अध्ययन से प्राप्त निष्कर्षों तथा उभर कर आई महिला सशक्तिकरण के अनुभवों, क्रियान्वयन तथा नव–प्रवृत्तियों का विश्लेषणात्मक विवेचन तथा फरीदाबाद व गुड़गांव में महिला सशक्तिकरण का तुलनात्मक अध्ययन करते समय समक्ष आने वाली समस्याओं तथा उनके समाधानों का विश्लेषण किया गया है।